सब कुछ जो अनुमत है, वह लाभदायक नहीं है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

(सुगंध और मसीही शालीनता पर एक बाइबिलिक चिंतन)

मसीह के अनुयायियों के रूप में यह समझना महत्वपूर्ण है कि जो कुछ भी अनुमति दी गई है, वह आवश्यक रूप से अच्छा या उचित नहीं होता। केवल इसलिए कि कुछ समाज में स्वीकार्य है या बहुतों में लोकप्रिय है, इसका अर्थ यह नहीं है कि वह आत्मिक रूप से स्वस्थ या परमेश्वर को प्रसन्न करने वाला है।

प्रेरित पौलुस इस सिद्धांत का उल्लेख करते हैं:

1 कुरिन्थियों 10:23

“सब बातें तो उचित हैं, परन्तु सब बातें उपयोग की नहीं; सब
बातें तो उचित हैं, परन्तु सब बातें सुधार नहीं करतीं।”

दूसरे शब्दों में, मसीह में मिली स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि हम हर चलन या सांस्कृतिक रीति का अनुसरण करें। हमें विवेक के साथ जीना है — पवित्र आत्मा और शास्त्र के सत्य द्वारा निर्देशित होकर।

इत्र का प्रयोग: हानिरहित या हानिकारक?

सब कुछ जो अनुमत है, वह लाभदायक नहीं है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

एक क्षेत्र जो अक्सर अनदेखा रह जाता है, वह है — तेज़ इत्र का प्रयोग। यद्यपि सुगंध का संयमित उपयोग पाप नहीं है, परंतु उसके पीछे की मंशा बहुत मायने रखती है।

यदि आप ऐसा इत्र लगा रहे हैं कि 10 मीटर दूर तक उसकी गंध महसूस हो, तो अपने आप से पूछें:

“मैं क्या व्यक्त करना चाहता/चाहती हूँ?
मैं किसे आकर्षित या प्रभावित करना चाहता/चाहती हूँ?”

यह भले ही एक छोटी बात लगे, परंतु शास्त्र हमें स्मरण दिलाता है कि हमारा बाहरी आचरण प्रायः हमारे हृदय की आंतरिक दशा को प्रकट करता है।

एक बाइबिलिक उदाहरण: इत्र और उद्देश्य

मरकुस 14:3–8 में हम उस स्त्री की कहानी पढ़ते हैं जिसने यीशु पर अत्यंत मूल्यवान इत्र उड़ेला। बहुतों ने इसे व्यर्थ समझा, परन्तु यीशु ने उसमें गहरी आत्मिक सच्चाई देखी।

सब कुछ जो अनुमत है, वह लाभदायक नहीं है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

मरकुस 14:3

“…एक स्त्री शुद्ध नार्द के अत्यन्त मूल्यवान इत्र का
संगमरमर का पात्र लेकर आई और पात्र को तोड़कर उसका इत्र
उसके सिर पर उड़ेला।”

मरकुस 14:8

“उसने जो कुछ कर सकती थी वह किया; उसने मेरे शरीर पर मेरे
गाड़े जाने के लिये पहले ही से इत्र लगाया।”

लोगों ने सोचा कि वह इत्र व्यर्थ जा रहा है, परंतु यीशु ने प्रकट किया कि वह एक भविष्यसूचक कार्य था—उनकी मृत्यु की तैयारी का एक अभिषेक।

यह घटना मसीह को “दुख उठाने वाले सेवक” (यशायाह 53) के रूप में दर्शाती है और यह यहूदी परंपरा से जुड़ती है जिसमें दफनाने से पहले शरीर का अभिषेक किया जाता था (यूहन्ना 19:40)। वह इत्र दिखावे के लिए नहीं, बलिदान के लिए था।

यह हमें यह सोचने की चुनौती देता है कि हम सुगंध, फैशन और आत्म-प्रस्तुति को कैसे देखते हैं।

सब कुछ जो अनुमत है, वह लाभदायक नहीं है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

आत्मिक अर्थ

जहाँ मरकुस 14 की स्त्री ने श्रद्धा और विनम्रता से कार्य किया, वहीं आज कई लोग अत्यधिक इत्र या प्रसाधनों का प्रयोग ध्यान आकर्षित करने, अभिमान या इंद्रिय-सुख के लिए करते हैं।

कभी-कभी ये बाहरी प्रदर्शन अनजाने में आत्मिक खतरों के द्वार खोल सकते हैं, जैसे:

कामुकता की आत्मा (नीतिवचन 7:10, प्रकाशितवाक्य 2:20)

अभिमान या आत्म-उन्नति की आत्मा (1 यूहन्ना 2:16)

शरीर की प्रवृत्ति जो मृत्यु की ओर ले जाती है (रोमियों 8:6)

इसका यह अर्थ नहीं कि इत्र या फैशन अपने आप में पाप है। परंतु यदि बिना आत्म-परीक्षण के प्रयोग किया जाए, तो यह एक गहरे आत्मिक विच्छेद को दर्शा सकता है।

सब कुछ जो अनुमत है, वह लाभदायक नहीं है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

परमेश्वर का सौंदर्य का मापदंड

परमेश्वर सौंदर्य के विरोधी नहीं हैं — परंतु वे उसे संसार की दृष्टि से भिन्न रूप में परिभाषित करते हैं।

1 पतरस 3:3–4

“तुम्हारा श्रृंगार बाहर का न हो, अर्थात् केश गूंथना और
सोने के गहने पहनना और वस्त्र पहनना नहीं;
परन्तु तुम्हारा छिपा हुआ मनुष्यत्व नम्र और शांत आत्मा का अविनाशी श्रृंगार हो, जो परमेश्वर की दृष्टि में अति
मूल्यवान है।”

यह वचन बाहरी साज-सज्जा की निंदा नहीं करता, बल्कि हमें यह सिखाता है कि भीतर का चरित्र बाहरी रूप से अधिक महत्वपूर्ण है।

1 तीमुथियुस 2:9

“…स्त्रियाँ शालीनता और संयम के साथ उचित वस्त्रों से अपने
को सजाएँ…”

मसीही सौंदर्य पवित्रता, नम्रता और परमेश्वरभक्ति में

सब कुछ जो अनुमत है, वह लाभदायक नहीं है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

निहित है—न कि इस बात में कि हम दूसरों को कितने आकर्षक
लगते हैं।

व्यावहारिक चिंतन

प्रिय बहन (या भाई), अगली बार जब आप इत्र या वस्त्र चुनें, तो स्वयं से ये प्रश्न पूछें:

क्या मैं यह परमेश्वर की महिमा के लिए पहन रहा/रही हूँ — या ध्यान आकर्षित करने के लिए?

क्या यह दूसरों को मसीह की ओर ले जा रहा है — या मेरी ओर?

क्या मेरा बाहरी रूप मेरे आंतरिक समर्पण से मेल खाता है?

क्योंकि मसीही जन के रूप में हम संसार के लिए मसीह की सुगंध हैं — केवल गंध से नहीं, बल्कि अपने जीवन से।

सब कुछ जो अनुमत है, वह लाभदायक नहीं है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

2 कुरिन्थियों 2:15

“क्योंकि हम परमेश्वर के सामने मसीह की सुगंध हैं, जो
उद्धार पाने वालों और नाश होने वालों दोनों में फैलती है।”

हर वह चीज़ जो समाज में स्वीकार्य है, आत्मिक रूप से लाभदायक नहीं होती। हमें दृष्टि से नहीं, आत्मा के मार्गदर्शन से चलना चाहिए। परमेश्वर की दृष्टि में सौंदर्य शुद्ध हृदय में है, न कि महंगे इत्र में।

आइए हम शालीनता, पवित्रता और विवेक का अनुसरण करें — ताकि हम अपने जीवन के हर क्षेत्र में, भीतर से बाहर तक, मसीह को प्रतिबिंबित करें।

प्रभु आपको बुद्धि, अनुग्रह और ऐसा हृदय प्रदान करें जो हर बात में उसकी महिमा खोजे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

सब कुछ जो अनुमत है, वह लाभदायक नहीं है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

GROUP….

Share on:
WhatsApp